भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

दिनांक : 20.02.2019

आईआईटी बीएचयू के सुपर कंप्यूटर का लोकार्पण

वाराणसी | निज संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को औढ़े में आयोजित जनसभा के पूर्व आईआईटी बीएचयू के सुपर कंप्यूटर 'परम शिवाय' और बीएचयू में स्थापित सेंट्रल डिस्कवरी सेंटर (सीडीसी)का भी लोकार्पण किया। बीएचयू के इतिहास में मील का पत्थर का साबित होने जा रहीं इन सुविधाओं ने विश्वविद्यालय को विज्ञान एवं तकनीक के वैश्विक आयाम से भी जोड़ दिया है। सुपर कंप्यूटर की मदद से उच्चस्तरीय शोध में अब लंबा समय नहीं लगेगा। सीडीसी में भी शोध की गुणवत्तायुक्त सुविधाएं मिलेंगी।

तकनीक

- सुपर कम्प्यूटर 'परम शिवाय' महीनों का काम मिनटों में करेगा
- सेंट्रल डिस्कवरी सेंटर में मिलेंगी गुणवत्तायुक्त शोध की सुविधाएं

नेशनल सुपर कंप्यूटिंग मिशन के तहत आईआईटी में साढ़े 32 करोड़ की लागत से स्थापित सुपर कंप्यूटर की मदद से सस्ती व कारगर दवा का भी निर्माण संभव होगा। उच्चस्तरीय गणना क्षमता के चलते यह भूकंप व मौसम संबंधी पूर्वानुमानों की सटीक भविष्यवाणी करेगा। साथ ही, जलवायु मॉडलिंग, अंतरिक्ष इंजीनियरिंग, पृथ्वी से परे खोज, डाटा एनालिटिक्स, सूचना संग्रह के क्षेत्र में भी कारगर है। आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने बताया कि राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन भारत सरकार के डिजिटल इंडिया तथा मेक इन इंडिया का समर्थन करता है। यह भारत को विश्व के सुपर कंप्यूटिंग मानचित्र में सबसे आगे रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) ने प्रथम सुपरकंप्यूटर 'परम शिवाय' का विकास और निर्माण किया। पूर्वी यूपी के आसपास के इंजीनियरिंग कॉलेज के वैज्ञानिकों, शिक्षकों और शोध छात्रों, शोध प्रयोगशालाओं में चल रही राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं को नेटवर्क के माध्यम से 40 प्रतिशत कंप्यूटर पॉवर दिया जाएगा।

बीएचयू को मिली अविष्कार केंद्र की पहचानः बीएचयू में सौ करोड़ की लागत से तैयार केंद्रीय अन्वेषण केंद्र (सीडीसी) से बीएचयू को अविष्कार केंद्र के रूप में नई पहचान मिलेगी। इसमें कई आधुनिक उपकरण लगाए जाएंगे ताकि हर प्रकार के शोध किए जा सकें। विदेशों से भी वीडियो कांफ्रेंसिंग होगी। यहां हाई इमेजनरी लैब स्थापित होगी। सभी मंजिलों पर अलग-अलग शोध की व्यवस्था है। यहां जीव से लेकर मैटेरियल व पेड़ पौधों पर भी शोध की सुविधा मिलेगी।